



June 2010

Newsletter 50- Gold

A flash back

www.casghana.com Tel: 030313266

Dear Reader,

We are proud to present to you the 50th edition of CAS newsletter. We present it to you in a picture form showing all editions of the past.

Of each copy we have highlighted the main topic. You will be able to see:

- The history of CAS as a NGO.
- The change in structure.
- The different kinds of children involved. Street children, Urban poor, working children, Out of school children.
- The cooperation of other stakeholders, sister NGOs and fundraisers as well as donors and advisors.
- Important workshops and reports.
- The state of the Ghanaian street child.

Enjoy reading.

Bro. Jos van Dinther

(Director CAS)

Letter 1 March 1994



Start of CAS
October 1992

Letter 1 March 1994



Migrant children and
urban poor from
Jamestown

Letter 1 March 1994

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------

Database of all children.
March 1994- 215 were
registered.

Letter 2 June 1994



Sponsorship program
started in 1994

Letter 1 Mach 1994



Refuge at Adedenkpo
Street work started

Letter 1 March 1994



Registration from the
Department of Social
Welfare. June 1993

Letter 2 June 1994



1994 Street Girls Aid
opened a Refuge at
Mamobi

Letter 3 Sept. 1994



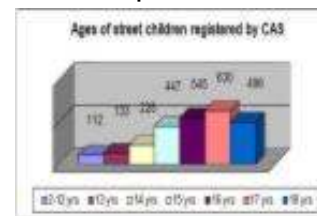
Many children who visit
the Refuge are older
than 16 years of age.

Letter 4 Dec. 1994



Cooperation with Fanmilk
company Dec. 1994

Letter 5 April 1995



First statistics of
street children

Letter 6 July 1995



Demonstration classes
in trades

Letter 7 December 1995



Evaluation on children

Letter 4 Dec. 1994



May 1995. Hopeland farm
became part of CAS

5 Programmes for street children



Baby care at
Konkomba market

6 Every child needs love



Networking with NGOs
in various countries

7 CAS Reports



4 departments: Literacy
Sponsorship, Baby care
and Hopeland

Realities

Letter 8 March 1996



Social Survey reports
on street children

Letter 9



Health programme
for the children

Letter 10 September '96



Income generating
ventures

Letter 10



Mini Refuges and
meeting points

Consultations

Letter 9 June 1996



Meeting points in
the streets

Letter 9



Remand and probation

Letter 10 Obstacles



Draft policy paper
on street children

Letter 11



Evaluation of CAS
and S.AID

Letter 11



Salvation Army church
in charge of Health issues

Letter 12 March 1997



Workshop on African
Child Friendly Cities

Letter 13 Live in the streets

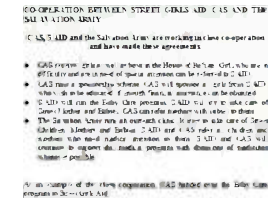


Glass collection
Income generating
It is a complex situation



Street children have
also rights

Letter 11



CAS: Education
S.AID: Baby care
Salv.Army: Health
Letter 13 July 1997



Survey conducted in
the streets

Letter 14 Dec. '97 Sustainability



Five years of
experience
Letter 15 April 1998



Videos on street
children and CAS

The plight of street children

Letter 16 July 1998



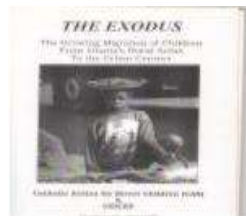
The children's bill on child labour + rights

Letter 17

REASONS WHY STREET CHILDREN LEFT THEIR HOMES		
Reason	Problem	Percentage
A. NEGLECT	(Social)	20%
B. SINGLE PARENT	(Social)	10%
C. TRUANCY	(Social)	12%
D. VIOLENCE AT HOME	(Social)	3%
E. TOO AWAY CHILDREN AT HOME	(Social)	0%
F. ORPHANS	(Social)	2%
G. SICKNESS OF SINGLE PARENT	(Social)	3%
H. POOR OR OVERWORKING PARENTS	(Social)	3%
I. SEXUAL VIOLENCE AT HOME	(Social)	2%
J. BORN IN THE STREETS	(Social)	1%
K. POVERTY	(Economic)	11%
L. LEFT BEHIND BY PARENTS - MIGRATION (Economic)		3%

Statistics

Letter 19 the Exodus



Special edition

Letter 20 June 1999



Blessing of the New Refuge

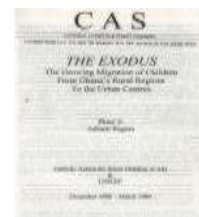
Facts and findings

Letter 17 Sept. 1998



New Refuge in Lartebiokorshie

Letter 18 December 1998



The Exodus research started

Letter 19



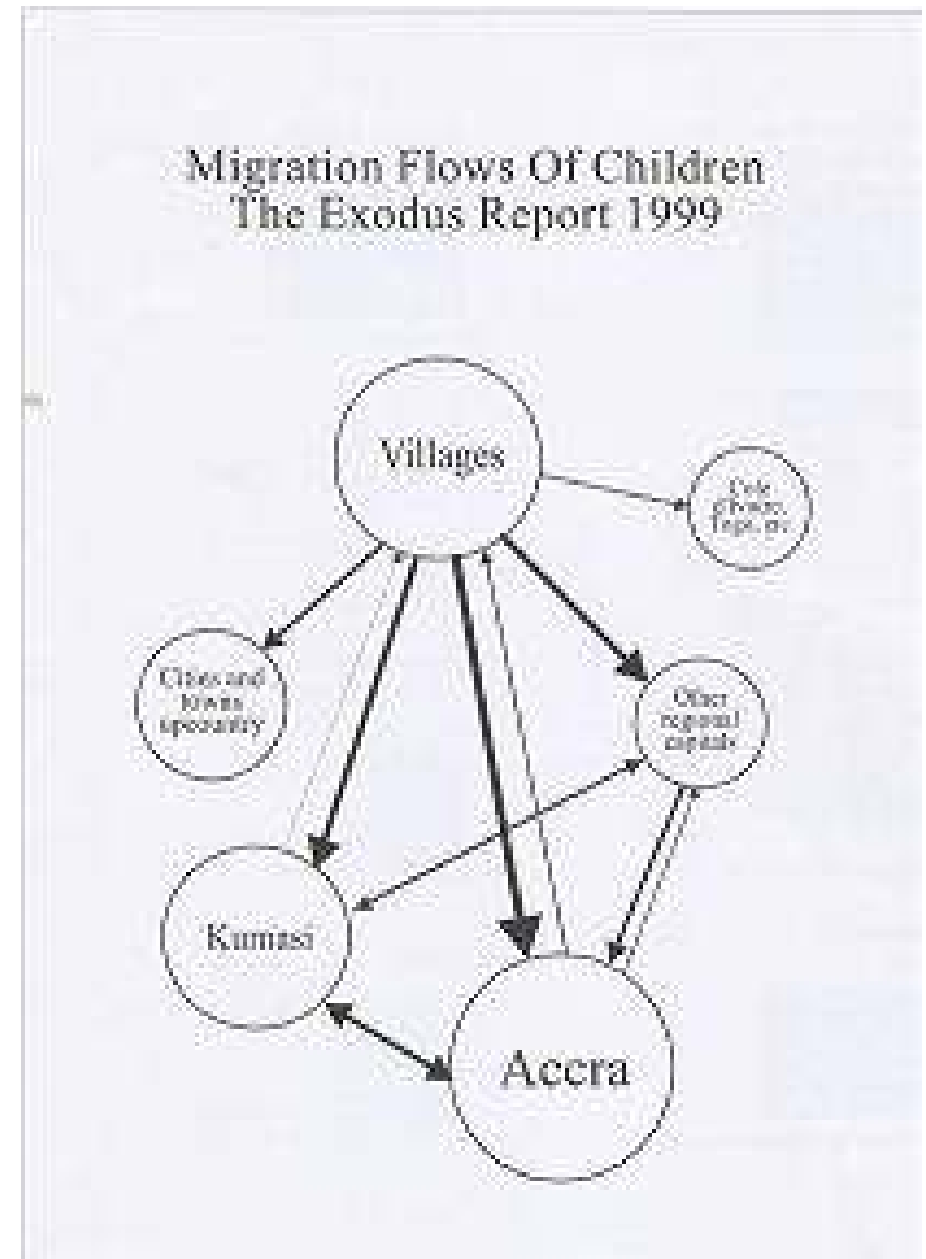
Saving scheme for children

Letter 21 Dec. 1999



Coalitions

Consolidation



Letter 22 April 2000



Listening to street children
More awareness

Letter 24 Sept. 2000



Invitation cards for children
Acceptance

Letter 25 Dec. 2000



Six Departments
Letter 26 Experiences



Street corner and
computer centre

Letter 23 June 2000



Staff training

Letter 24 More Awareness

	(1)	(2)	(3)	(4)
YEAR	1992	1996	2000	2001
NUMBER	7000	10400	17181	17357

HEADCOUNTS CONDUCTED BY CAS.

Another Headcount

Letter 26 May 2001



Number of boys and girls
Letter 26



9 Statements and
policies of CAS

Structural Set-up

Letter 27 Dec. 2001



A Participatory Approach
Research for the future

Letter 28 Apr. 2002



Volunteers and
students

Letter 29



Structure of CAS
and job descriptions
Letter 31 Dec. 2003



Promotion and Protection of rights
Fundraising in Germany

Letter 27



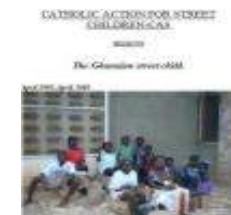
Networking with
schools and workshops

Letter 29 Dec. 2002



Verifying our
findings

Letter 30 April 2003



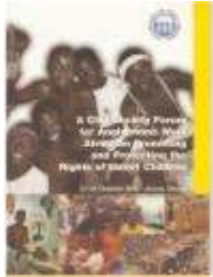
The Ghanaian street child
published. 10th Anniversary
Letter 32



Civil Society Forum

Closing of the Anniversary year-CAS Improvements in approach

Letter 32 April 2004



Report on the Civil Society forum
Job opportunities-HIV/AIDS

Letter 34 Dec. 2004



Our opinion on
child labour

Letter 36 Oct. 2005



A different type
of street children

Letter 37 Dec. 2005



Understanding the
children better

Letter 33 June 2004



Walk the Walk activities
in the street
New developments

Letter 35 May 2005



Children of Special Need

Letter 36 Re-structuring CAS



Preparation Committee

Letter 37 Planning for 2005



Strategies and
Methodologies

11

Research

Letter 38- April 2006



Leaving the past and
starting a new approach

Who are the street children? Where do they come from?



Letter 39 June 2006
Changes in Accra City

Street mapping Letter 40 Dec.2006 Progress report 41-April 2007



Many children born in the streets
Evaluation of CAS

Letter 42 Dec. 2007



Evaluation activities
and approach

Letter 38



Re-Mapping
the cities



A new type of child



Communication within
Creating another database

Letter 43 April 2008



With Ricerca, S.AID
and DSW

12

Letter 48

Young couples with babies



Young couples with babies.



Letter 49

A shorter sponsorship training.

Letter 49 April 2010



With sister NGOs and fundraisers



50th edition Back-flash

Summary version of the speech delivered by Bro. Jos van Dinther-Director of CAS at 'New Urban Childhoods seminar held at British Council Hall on the 26th of May 2010. The Seminar was organized by the Department of Sociology of University of Warwick, United Kingdom and the Department of Social Studies, University of Education Winneba, Ghana. (Shorter version)

January 2010 '**NEW**' URBAN CHILDHOODS.

Street Children in Ghana. GENERAL OVERVIEW AS AT 2010 – CAS Perspective'.

It is approximately 25 years ago that a number of street children appeared in the streets of the regional capitals of Ghana. Of course, there have been always children in the streets but never in alarming proportions. What have we learnt? We have learnt that this particular problem has occurred in the Ghanaian society which is not adequately addressed.

What did we learn from the children?

We know that there is not only one category of children leaving on the street as thought by many. During the early days, many children have migrated from the rural areas to the cities. We call them children migrants.

The second types are those who have been born on the streets. 'The second generation of street children' or 'Children of street children'. These children born in the street do not belong to one particular tribe or are from any particular region.

The third types are children who have relatives in the city and appear in the streets for several reasons; this type could be called Urban poor children. We want to capture all categories and use the term '**Out-of-school Children or Youth**' to describe them all.

What are the reasons of coming or being in the streets?

The reasons of being in the streets are in manifolds but two are often outstanding: neglect and an unstable family life. Many children do not experience a regular family life. Therefore, the street children problem or out of school youth problem is of more of a socially related.

Other reasons are truancy, violence at home, peer pressure, death of parents, cultural practices, ethnic violence etc. Fortunately, not many orphans are in the streets by definitional standards. Many have at least one parent alive or have aunts or uncles who could take care.

Child trafficking: The fieldwork reports as well as the social survey reports of CAS do not have any indication that trafficking of children is an issue for street children. Therefore; trafficking and street children are two different issues.

What are the numbers involved?

1. Street children- First Headcount conducted in 1992.

If we take 5 years intervals then we notice that the number doubles every 5 years or even more in most cases. 4,000-8,000-16,000 and 32,000 in 2012.

2. Urban poor children (2006-14,500) (2010-25,650) 3. Working children: No figures available.

4. Others like Handicapped, Beggars: no figures available.

How do these children survive? As I mentioned already we talk about survival and it is not more than that. They live from hand to mouth. Many have lost the ability to think about the future, only today matters. Do I have food today? Often the clothing they wear, are all what they have. Fortunately, many find menial jobs to do and so have some income for survival.

Survival also depends on your friends and groups you are dealing with. There is hierarchy in the streets often along ethnic lines but also according to seniority and duration in the streets. We have studied these structures, but frankly speaking it is not always clear how the structures have been built. There are many different structures in the street and we know that a different **"Culture"** has developed in the streets. We have accepted it and hope you will accept it as well.

I think it is very important to know that their ability to plan for the future is lacking, because your interventions are depending on this. You can plan to educate them or give them a job but when the person in question is not interested, your intervention will fail.

What could be done?

Two different interventions could take place; one for those who are not yet in the streets and the other for those who are in the streets.

For the first group, good social systems should be set up to ensure that children are properly raised by families. Those families who experience difficulties should be assisted. Also, all children should have the opportunity to go to school.

For those who are already in the streets, other solutions have to be found. Each area experiences different problems depending on the type of children who appear in the streets or the community.

NGOs and even the government should never take over the responsibility of the parents. As soon as families sense that government or other organization are feeding or clothing or educating the children, the family shows less care. Only advice and moral support should be given to families while government takes care of the general development of the regions.

To summarize:

There are not many street children from the north in the streets of Accra, only 5%.

- They are not in the streets because of only poverty but because of neglect and unstable family settings.
- Trafficking is a separate issue.
- Finally I can add that during the forty years that I am working with children in Ghana, twenty years in the north and twenty years in the south I have not met any child with AIDS. Nonetheless, when some children are tested some will be HIV positive.

Thank you Bro. Jos